vinetur

2025 में जापान को मोल्दोवा का वाइन निर्यात 1.5 मिलियन डॉलर पहुंचा, 2017 के मुकाबले लगभग चार गुना

मूल्य के आधार पर जापान मोल्दोवा का एशिया में तीसरा सबसे बड़ा वाइन बाजार रहा, चीन उससे आगे था। क्षेत्रीय व्यापार का कुल मूल्य 9.7 मिलियन डॉलर रहा

मंगलवार, 10 नवंबर 2026



मोल्दोवा ने 2025 में जापान को 1.5 मिलियन डॉलर मूल्य की वाइन निर्यात की—2017 के स्तर से लगभग चार गुना अधिक। यह आंकड़ा मंगलवार, 10 नवंबर को Logos Press ने प्रकाशित किया और इसे मोल्दोवा सरकार के प्रेस कार्यालय के हवाले से बताया।

आंकड़े बताते हैं कि एशिया में मोल्दोवा की वाइन के गंतव्य के रूप में जापान का महत्व बढ़ रहा है, हालांकि कुल मिलाकर यह बाजार अब भी छोटा है। इन्हीं आंकड़ों के अनुसार, 2025 में क्षेत्र को मोल्दोवा का वाइन निर्यात 3.3 मिलियन लीटर रहा, जिसका कुल मूल्य 9.7 मिलियन डॉलर था।

इस क्षेत्रीय व्यापार में निर्यात मूल्य के आधार पर जापान मोल्दोवा की वाइन के लिए एशिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार रहा। 2025 में 3 मिलियन डॉलर के वाइन निर्यात के साथ चीन एशिया में मोल्दोवा का सबसे बड़ा बाजार बना रहा। इसके बाद दक्षिण कोरिया का स्थान था, जहां निर्यात का मूल्य 400,000 डॉलर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, यह 2017 के मुकाबले 3.5 गुना अधिक था।

ये आंकड़े पारंपरिक बाजारों से आगे बिक्री बढ़ाने और एशिया में अपनी स्थिति मजबूत करने की मोल्दोवा की व्यापक कोशिश की ओर इशारा करते हैं। जापान के लिए 2025 का निर्यात मूल्य किसी अल्पकालिक उछाल के बजाय कई वर्षों में हुई लगातार वृद्धि का संकेत देता है, क्योंकि रिपोर्ट में तुलना 2017 से की गई है।

रिपोर्ट में 2017 में जापान को वाइन निर्यात का सटीक मूल्य नहीं दिया गया ; केवल इतना बताया गया कि 2025 का आंकड़ा उससे लगभग चार गुना अधिक था। शुरुआती आंकड़ा प्रकाशित नहीं होने के कारण उपलब्ध जानकारी से इस अवधि में डॉलर के हिसाब से हुई सटीक बढ़ोतरी की गणना नहीं की जा सकती।

Logos Press के माध्यम से जारी आंकड़ों में केवल जापान के लिए निर्यात की मात्रा नहीं दी गई। रिपोर्ट में सिर्फ क्षेत्र का कुल निर्यात-मात्रा और मूल्य, साथ ही कुछ देशों के लिए निर्यात मूल्य का ब्योरा दिया गया। इसमें उत्पादों की श्रेणियों, कीमतों या बोतलबंद वाइन और थोक खेपों के विभाजन की जानकारी भी नहीं थी।

फिर भी, आंकड़े संकेत देते हैं कि कई साल पहले की तुलना में जापान मोल्दोवा के उत्पादकों के लिए अधिक महत्वपूर्ण बाजार बन गया है। 2025 में जापान का हिस्सा एशिया को मोल्दोवा की वाइन बिक्री में उल्लेखनीय था, हालांकि वह चीन से काफी पीछे रहा।

मोल्दोवा के लिए यह वृद्धि इसलिए मायने रखती है क्योंकि वाइन देश के सबसे चर्चित निर्यात उत्पादों में से एक है। उद्योग लंबे समय से विदेशी बाजारों पर निर्भर रहा है और उत्पादक यूरोप, एशिया तथा अन्य क्षेत्रों में अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने की कोशिश करते आए हैं। जापान जैसे बाजारों में विस्तार से कुछ ही गंतव्यों पर निर्भरता घटाने में मदद मिल सकती है—खासकर ऐसे देश के लिए जिसका घरेलू बाजार अपेक्षाकृत सीमित है।

स्थिर उपभोक्ता मांग, मजबूत आयात क्षेत्र और अधिक मूल्य वाले उत्पादों की पसंद के कारण वैश्विक वाइन व्यापार में जापान के बाजार पर भी बारीकी से नजर रखी जाती है। वहां अपनी मौजूदगी बढ़ाना उन उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है जो पहचान और अधिक विविध राजस्व स्रोत चाहते हैं, भले ही कुल बिक्री अन्य प्रमुख निर्यात बाजारों की तुलना में मामूली बनी रहे।

10 नवंबर को जारी आंकड़े 2025 के व्यापार से संबंधित थे, 2026 की खेपों से नहीं। Logos Press ने कहा कि जानकारी मोल्दोवा सरकार के प्रेस कार्यालय से मिली थी। रिपोर्ट ने इन आंकड़ों को इस बात के प्रमाण के रूप में पेश किया कि मोल्दोवा की वाइन निर्यात रणनीति में एशियाई बाजारों की भूमिका बढ़ रही है और जापान इस क्षेत्र में देश के अधिक महत्वपूर्ण खरीदारों में उभर रहा है।